भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर

हिन्दी सप्ताह -2018 का कार्यवृत्त

हिन्दी दिवस-2018 के उपलक्ष्य पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से प्राप्त पत्रांक 10(1)/2018-हिन्दी दिनांक 16 अगस्त, 2018 की अनुपालना में भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा दिनांक 14-22 सितम्बर, 18 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। केन्द्र में हिंदी सप्ताह की अवधि के दौरान राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं उपयुक्त वातावरण के सृजन हेतु विभिन्न गतिविधियां व कार्यक्रम आयोजित किए गए। केन्द्र के वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों ने आयोजित गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए हिन्दी सप्ताह को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

हिन्दी सप्ताह : उद्घाटन कार्यक्रम – 14.09.2018

भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 14 सितम्बर, 2018 को हिन्दी सप्ताह का विधिवत् शुभारम्भ केंद्र निदेशक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. एन.वी.पाटिल द्वारा किया गया। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र में आयोजित हिन्दी सप्ताह के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि डॉ.शालिनी मूलचंदानी, विभागाध्यक्ष, हिन्दी साहित्य, डूंगर कॉलेज, बीकानेर ने कहा कि हिन्दी के विकास को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। विष्व व्यापी पूँजी व्यवस्था में हिन्दी का स्वतः ही विकास हो रहा है। हिन्दी की इसी उदारता, नवनीयता ने उसे विश्वभाषा बनाया है। डॉ.मूलचंदानी ने हिन्दी भाषा की वैष्विक स्थिति, साहित्य-कला क्षेत्र में इसके योगदान पर बात रखते हुए वर्तमान में इसके प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया के योगदान को भी सराहा परंतु भाषा के स्वरूप को सही रखने हेतु भी प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. मूलचंदानी अभिभाषण प्रस्तुत करते हुए

इस अवसर पर निदेशक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.एन.वी. पाटिल ने कहा कि हिन्दी का विकास सर्वत्र देखा जा सकता है। हिन्दी भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, अतः भाषा में भावनाओं के समावेश का विशेष

ध्यान रखा जाए ताकि वह अधिक प्रभावी बने। डॉ.पाटिल ने इतिहास के परिप्रेक्ष्य में अपनी बात रखते हुए कहा कि भारत विश्व गुरू रहा है। अतः हमारे देश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को सही परिप्रक्ष्य में सामने रखे जाने की जरूरत है, ताकि हमारे अंदर विद्यमान भारतीयता गौरवान्वित स्वरूप में प्रकट हो। डॉ.पाटिल ने हिन्दी सप्ताह के शुभ अवसर पर केन्द्र की अनुसंधान उपलब्धियों को किसानों के समक्ष सरल व सहज भाषा में रखने पर जोर दिया ताकि अनुसंधान का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

केन्द्र निदेशक डॉ.पाटिल संबोधित करते हुए

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रभारी राजभाषा डॉ.बसंती ज्योत्सना ने हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोज्य विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों की जानकारी दी।

हिन्दी सप्ताह-2018 के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां/कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1.हिन्दी में निबंध लेखन प्रतियोगिता

हिन्दी सप्ताह के तहत दिनांक 17.09.2018 को हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने विशेष रूचि दिखाते हुए इस प्रतियोगिता का सार्थक बनाया। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमश: श्री दिनेश मुंजाल, डॉ.रोकश पूनियां एवं डॉ.राकेश रंजन ने अर्जित किया वहीं प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ.देवेन्द्र कुमार, श्री हरपाल सिंह एवं डॉ.विनोद कुमार यादव को दिया गया।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

2. हिन्दी में श्रुति लेखन प्रतियोगिता

हिन्दी के शुद्ध लेखन के महत्व को ध्यान में रखते हुए हिन्दी सप्ताह के तहत दिनांक 17.09.2018 को श्रुति लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्रमश: श्री दुर्गासिंह अस्वाल, श्री अशोक कुमार एवं श्री माणक लाल किराडू ने प्राप्त किया। प्रोत्साहन पुरस्कार श्री किशन कुमार को दिया गया।

हिन्दी में श्रुति लेखन प्रतियोगिता

3. हिन्दी में अनुवाद प्रतियोगिता

हिन्दी सप्ताह के तहत हिन्दी में अनुवाद हेतु अधिकाधिक वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से दिनांक 18.09.2018 को हिन्दी में अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में सहर्ष प्रतिभागिता के साथ इसे सफल बनाया। हिन्दी सप्ताह में आयोजित इस

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर डॉ.राकेश कुमार पूनियां, द्वितीय श्री राम दयाल एवं तृतीय श्री हरपाल सिंह कौंडल रहे वहीं प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ.राकेश रंजन, श्री राधाकृष्ण वर्मा एवं डॉ.विनोद कुमार यादव ने प्राप्त किया।

हिन्दी में अनुवाद प्रतियोगिता

4. हिन्दी में प्रश्न मंच (क्वीज) प्रतियोगिता

हिन्दी सप्ताह की विभिन्न गतिविधियों के तहत अधिकारियों एवं कार्मिकों के ज्ञान में अभिवृद्धि हेतु दिनांक 18.09.2018 को हिन्दी में प्रश्न मंच (क्वीज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों से मौखिक तौर पर प्रश्न पूछे गए। सभी ने इस प्रतियोगिता में गहरी रूचि प्रदर्शित की। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के प्रयोजनार्थ इस प्रश्न मंच में अगल अलग टीमों का गठन करते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

हिन्दी में प्रश्न मंच (क्वीज) प्रतियोगिता

5. हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता

अधिकारियों एवं कर्मचारियों में अभिव्यक्ति क्षमता के विकास हेतु दिनांक 19.09.2018 हिन्दी सप्ताह में हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायक मंडल के रूप में राजकीय डूंगर महाविद्यालय] बीकानेर के डॉ.ब्रजरतन जोशी, वरिष्ठ व्याख्याता एवं डॉ.सुचित्रा कश्यप, सह आचार्य को आमंत्रित

किया गया। डॉ. जोशी ने प्रतिभागियों को अभिव्यक्ति क्षमता के विकास हेतु अन्य कई जरूरी पहलुओं पर भी बात की वहीं डॉ. कश्यप ने संप्रेषणीयता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री दिनेश मुंजाल, द्वितीय स्थान पर श्री विनोद कुमार एवं तृतीय स्थान पर डॉ.आर.के.सावल रहे वहीं प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ.वेद प्रकाश, श्री हरपाल सिंह एवं श्री माणक लाल किराडू रहे।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी विचार प्रस्तुत करते हुए

निर्णायिका डॉ.कश्यप विचार प्रस्तुत करते हुए

6. राजभाषा कार्यशाला

हिन्दी सप्ताह के तहत दिनांक 20.09.2018 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल दो व्याख्यान रखे गए।

राजभाषा कार्यशाला में मंचस्थ अतिथि वक्ता एवं व्याख्यान प्रस्तुतीकरण

प्रथम व्यख्यान में अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. गौरव बिस्सा, सह आचार्य, राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बीकानेर ने 'कार्यस्थल पर नैतिक आचरण का महत्व' विषयक व्याख्यान में बोलते हुए कहा कि उपर्युक्त वातावरण का सृजन हेतु नैतिकता पर अपेक्षित ध्यान दिया जाना नितांत आवश्यक है। डॉ.बिस्सा ने क्रियान्वयन एवं स्वयं के कार्य को स्वयं द्वारा करने पर जोर देते हुए आगे कहा कि राष्ट्र का विकास सामान्य रूप में

निहित है। अत: व्यक्ति को अपने सामान्य रूप को बनाए रखना चाहिए ताकि नैतिकता को अपनाकर हम अपना सच्चे अर्थ में विकास कर सके।

इस कार्यशाला में दूसरे अतिथि वक्ता के रूप में डॉ.विमला, प्रोफेसर, राजकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर ने 'कृषि एवं पशुपालन में महिलाओं का योगदान' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत के पुरुष प्रधान समाज में भी महिलाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर है, अत: महिलाओं को इसके लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन जैसे क्षेत्र में महिलाएं सदियों से योगदान देती आई हैं और वे आज भी इसमें वे सहज रूप में लगी हुई है। अतिथि वक्ता ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने पर बोलते हुए कहा कि महिलाओं में चुनौतियों को स्वीकार करने की क्षमता है, वे समाजार्थिक विकास हेतु महत्ती भूमिका निभा सकती है क्योंकि आज की महिलाएं अधिक पढ़ी- लिखी व हर कार्यक्षेत्र में कुशलता हासिल कर रही है।

इस अवसर पर केन्द्र निदेशक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.एन.वी.पाटिल ने कहा कि दूसरों में भ्रष्टाचार को देखकर स्वयं का आत्मविश्लेषण करने व सतर्क रहने की आवश्यकता है। इससे गलत वातावरण हमें प्रभावित नहीं कर सकेगा और हम सही विकास की ओर आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कार्यस्थल पर अपनी कर्त्तव्य परायणता हेतु सजग रहने हेतु भी प्रोत्साहित किया। डॉ.पाटिल ने संस्कृति के संरक्षण हेतु नीति (वैल्यु सिस्टम) को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास हेतु महिलाओं की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जब समानता का वातावरण बनेगा तो यह न केवल कृषि एवं पशुपालन अपितु हर क्षेत्र में सुखद स्थिति का द्योतक होगा। डॉ. पाटिल ने राजभाषा कार्यशाला के माध्यम से रखे गए महत्वपूर्ण व्याख्यानों की सराहना करते हुए कहा कि प्रबुद्ध वक्ता जब संबंधित विषय पर अपनी बात रखते है तो उसकी प्रभाविता अधिक होती है।

प्रभारी राजभाषा डॉ. बसंती ज्योत्सना ने राजभाषा कार्यशालाओं के एवं महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री नेमीचंद, स.मु.तक.अधिकारी ने किया।

7. हिन्दी में शोध पत्र पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता : 22.09.2018

हिन्दी में शोध पत्र को बढ़ावा देने हेतु वैज्ञानिक वर्ग हेतु एक शोध पत्र पोस्टर प्रदर्शन का आयोजन किया गया। शोध पत्र प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ.एन.डी.यादव, प्रभागाध्यक्ष, काजरी संस्थान, बीकानेर, डॉ.एच.के.नरूला, प्रभागाध्यक्ष, केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, बीकानेर एवं डॉ.एस.सी.मेहता, अध्यक्ष, केन्द्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर को आमंत्रित किया गया। शोध पत्र प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर डॉ.आर.के.सावल, द्वितीय स्थान पर डॉ.देवेन्द्र कुमार एवं तृतीय स्थान पर डॉ.वेद प्रकाश एवं डॉ.मतीन अंसारी एवं प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ.राकेश रंजन रहे।

हिन्दी में शोध पत्र पोस्टर प्रदर्शन प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी एवं निर्णायक गण

हिन्दी सप्ताह पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र में आयोजित हिन्दी सप्ताह (14-22 सित.) के समापन समारोह पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डॉ. अन्नाराम शर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय साहित्य परिषद (राज.) ने अपने अभिभाषण में कहा कि हिन्दी भाषा प्रयोग में क्लिष्ट शब्दावली के स्थान पर उसके सरलीकरण पर जोर दिया जाना चाहिए। हिन्दी भाषा में आमजन के समझ की भाषा का समावेष हो। तभी हिंदी सार्थक स्वरूप में आगे बढ़ पाएगी। डॉ.शर्मा ने सदन के समक्ष कई ऐसे चिंतन के विषय रखे जिनसे वास्तविक स्वरूप में हिन्दी की प्रगति को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

हिन्दी सप्ताह के समापन के अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए केन्द्र निदेशक डॉ.एन.वी.पाटिल ने सभी विजेता प्रतिभागिताओं को बधाई दी तथा कहा कि हिन्दी भाषा आम बोलचाल की भाषा है, इसे गौरवपूर्ण रूप से प्रयुक्त किया जाए। डॉ.पाटिल ने भाषा के सरल रूप के महत्व को बताते हुए कहा कि किसान तक वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान पहुंचाने हेतु हिन्दी एक सशक्त माध्यम है, अतः इसका अधिकाधिक प्रयोग हो ताकि जरूरतमंदों तक इसका लाभ पहुंचाया जा सके।

समापन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. पी.एल.सरोज, निदेशक, केन्द्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान संस्थान, डॉ. एच.के.नरूला, प्रभागाध्यक्ष, केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, डॉ. एस.सी.मेहता, अध्यक्ष, केन्द्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र एवं डॉ. एन.डी.यादव, अध्यक्ष, काजरी ने हिन्दी भाषा को प्यार और संस्कार, जन-जन के सम्पर्क की भाषा बताते हुए इस भाषा में अधिकाधिक वैज्ञानिक कार्य राजभाषा हिंदी माध्यम से करने व शिक्षण व्यवस्था प्रभावी रूप में हिंदी माध्यम से किए जाने पर जोर दिया।

हिन्दी सप्ताह समापन समारोह में पधारे अतिथि गण एवं पुरस्कार लेते हुए प्रतिभागी गण

समारोह के अतिथियों द्वारा हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा-हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, हिन्दी में श्रुति लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी में प्रश्नमंच हिन्दी में वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिन्दी में शोध पत्र प्रदर्शन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रभारी राजभाषा डॉ.बसंती ज्योत्सना ने केन्द्र में हिन्दी प्रगति को सदन के समक्ष रखा। कार्यक्रम का संचालन श्री हरपाल सिंह ने किया। ह0-

(बसंती ज्योत्सना)
प्रभारी राजभाषा इकाई